'उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025' में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा व्यापक मंथन

शैक्षणिक नवाचार, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्र निर्माण पर होगी गहन चर्चा

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) और श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में 'उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025' का आयोजन 25 जुलाई को गुरुग्राम स्थित विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। यह सम्मेलन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्राचार्य, प्रोफेसर, शैक्षणिक योजनाकार और नीति विशेषज्ञ भाग लेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय (उत्तर प्रदेश), जम्मू विश्वविद्यालय (जम्मू-कश्मीर), विनोबा भावे विश्वविद्यालय (हजारीबाग, झारखंड), और चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान (पटना, बिहार) के सहयोग से किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य विषय है। 'भारतीय शिक्षा को पुनः कल्पना करना =विरासत, नीति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में राष्ट्र निर्माण।' इसका उद्देश्य नई शिक्षा नीति (एनईपी) के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उसकी समीक्षा करना और भविष्य के लिए एक समावेशी, नवोन्मेषी और शिक्षार्थी-केंद्रित रणनीति तैयार करना है। सम्मेलन में पाँच समानांतर सत्रों का आयोजन होगा जिसमें शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन, अकादमिक स्वतंत्रता एवं संस्थागत नवाचार, कौशल उन्मुख शिक्षण पद्धतियाँ, भारतीय भाषाएं और ज्ञान परंपराएं, तथा एनईपी के अंतर्गत विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी शिक्षा के भविष्य जैसे विषयों पर मंथन किया जाएगा। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा, 'नई शिक्षा नीति केवल एक शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि यह एक पुनर्जागरण है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है।' उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। कार्यक्रम में चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना के प्रमुख प्रशासकीय पदाधिकारी श्री कुमार कुमार ने कहा कि यह आयोजन पूरे देश के शैक्षणिक नेतृत्व को एक मंच पर लाने का कार्य करेगा, जिससे विचारों का आदान-प्रदान, नीति-निर्माण में समन्वय और अनुसंधान व नवाचार को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र बनाने के लिए सीमाओं से परे जाकर शिक्षण, अनुसंधान और ज्ञान-विनिमय की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है। सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित वक्ता भाग लेंगे, जिनमें प्रोफेसर हेमंत वर्मा (कुलपति, एसजीटी विश्वविद्यालय), प्रोफेसर आलोक राय (पूर्व निदेशक, आईआईएम कलकत्ता व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय), प्रोफेसर उमेश राय (कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय), प्रोफेसर परमेंद्र कुमार बाजपेई (कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, बिहार), श्री नितीश्वर कुमार (प्रशासनिक सेवा अधिकारी), श्री राहुल सिंह (अध्यक्ष, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड), डॉ. आर्चना ठाकुर (सहायक सचिव), प्रो. विजया लक्ष्मी नंदा (प्राचार्य, मिरेन्डा हाउस, दिल्ली), प्रो. योगेश सिंह (कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय) सहित अनेक शिक्षाविद् और नीति विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार और भारत की युवा पीढ़ी को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

Aaj ! Page No -08 ! Date - 25-07-2025 !

शिक्षा की भूमिका पर आयोजित चर्चा में शामिल होगा सीआइएमपी

PATNA (24 July): चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान (सीआइएमपी) और एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा "उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025" का आयोजन किया जाएगा. 25 जुलाई को गुरुग्राम के शूटिंग फ्लोर, ए ब्लाक श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय कैंपस कार्यक्रम का आयोजन होगा.. कार्यक्रम में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की जाएगी. विशेषज्ञ भारत में शिक्षा प्रणाली को मजबूत और रूपांतरित करने के लिए एक रोडमैप भी सुझाएंगे और आगामी पांच वर्षों की योजना के लिए एक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण को लागू करने के तरीकों का सुझाव देंगे.

INext ! Page No - 04 ! Date - 25-07-2025 !

गुरुग्राम में होगा सम्मेलन

आज नई शिक्षा नीति पर चर्चा होगी, कई शिक्षाविद् भाग लेंगे

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना और एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा शुक्रवार को 'उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य विषय है- भारतीय शिक्षा को फिर से कल्पना करना : विरासत, नीति और एनईपी 2020 के आलोक में राष्ट्र निर्माण। यह आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय और सीआईएमपी के सहयोग से किया जाएगा। सम्मेलन में देशभर के कुलपति, शिक्षाविद्, नीति विशेषज्ञ और अधिकारी शामिल होंगे। एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हेमंत वर्मा ने कहा कि यह मंच भारत की शिक्षा नीति के भविष्य को आकार देने का अवसर है। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. डॉ. राणा सिंह ने कहा कि एनईपी 2020 एक शैक्षणिक पुनर्जागरण है, जो भारत की जड़ों से जुड़ते हुए भविष्य की ओर अग्रसर है।

Dainik Bhaskar ! Page No - 04 ! Date - 25-07-2025 !

सीआईएमपी : उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन आज

पटना। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी), बिहार और एसजीटी विश्वविद्यालय एक कार्यक्रम उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025 का आयोजन कर रहा है जो 25 जुलाई 2025 को शूटिंग फ्लोर, ए ब्लॉक, श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय कैम्पस, गुरुग्राम में सुबह 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड और चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना, बिहार के सहयोग से किया जा रहा है। भारतीय शिक्षा को फिर से कल्पना करना - विरासत, नीति और एनईपी 2020 के आलोक में राष्ट्र निर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पांच साल पूरे होने का स्मरण किया जा सके। इस कार्यक्रम में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की जाएगी कि कैसे यह नागरिक जागरूकता, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय एकता को आकार देती है। विशेषज्ञ भारत में शिक्षा प्रणाली को मजबूत और रूपांतरित करने के लिए एक रोडमैप भी सुझाएंगे। आगामी पांच वर्षों की योजना यानी 2025-2030 के लिए एक शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण को लागू करने के तरीकों का सुझाव देंगे। यह कार्यक्रम उन पांच समानांतर चर्चा ट्रैक का परिचय देगा जो सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा, शैक्षणिक स्वतंत्रता और संस्थागत नवाचार, कौशल संरेखण के लिए नवोन्मेषी शिक्षण विधियों, भाषा और भारतीय ज्ञान परंपराओं और एनईपी के तहत एसटीईएम शिक्षा के भविष्य जैसे विषयों को कवर करेगा। प्रो हेमंत वर्मा, वीसी, एसजीटी विश्वविद्यालय ने प्रारंभिक नोट दिया। उन्होंने कहा कि जब हम एनईपी 2020 के पांच वर्षों का जश्न मनाते हैं तो यह सम्मेलन शैक्षणिक नेताओं के लिए विचार करने, सहयोग करने और भारतीय शिक्षा के भविष्य को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। एसजीटी विश्वविद्यालय हमारे समृद्ध विरासत और भविष्य की दृष्टि में संवाद और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो.राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने कहा नई शिक्षा नीति 2020 केवल एक सुधार नहीं है। यह एक पुनर्जागरण है जो भारत की प्राचीन ज्ञान को इसके भविष्य की आकांक्षाओं से फिर से जोड़ता है।

Rashtriya Sahara ! Page No - 03 ! Date - 25-07-2025 !

सीआइएमपी : एनइपी पर आज होगी चर्चा

पटना. सीआइएमपी, बिहार और एसजीटी विश्वविद्यालय एक कार्यक्रम का आयोजन 25 जुलाई को करेगा. सम्मेलन का आयोजन श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय कैंपस गुरुग्राम में सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक किया जायेगा. सम्मेलन में एनइपी के आलोक में राष्ट्र निर्माण विषय पर चर्चा की जायेगी.

Prabhat Khabar !
Page No - 04 !
Date - 25-07-2025 !

शिक्षा की भूमिका पर आयोजित चर्चा में शामिल होगा सीआइएमपी

जागरण संवाददाता, पटना: चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान (सीआइएमपी) और एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा "उच्च शिक्षा नेताओं का सम्मेलन 2025" का आयोजन किया जाएगा। 25 जुलाई को गुरुग्राम के शूटिंग फ्लोर, ए ब्लाक श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिशताब्दी विश्वविद्यालय कैंपस कार्यक्रम का आयोजन होगा।। कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, तिलोका मांझी विश्वविद्यालय और चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के सहयोग से होगा। "भारतीय शिक्षा को फिर से कल्पना करना: विरासत, नीति और एनईपी 2020 के आलोक में राष्ट्र निर्माण" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पांच साल पूरे होने का स्मरण किया जा सके। कार्यक्रम में शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की जाएगी कि कैसे यह नागरिक जागरूकता, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय एकता को आकार देती है।

Dainik Jagran !
Page No - 06 !
Date - 25-07-2025 !